DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 September, 2024

चाइना शॉक (China Shock)

संदर्भ: *इलेक्ट्रिक वाहनों पर 100% शुल्क सहित टैरिफ में भारी वृद्धि ने हाल ही में वैश्विक बाजारों में " चाइना शॉक 2.0" की शुरुआत की है।*

अवलोकन:

- भारत के सामने व्यापार एक बड़ी चुनौती है क्योंकि प्रतिबंधों के बावजूद 2023-24 में चीन से आयात 100 बिलियन डॉलर को पार कर गया।
- इलेक्ट्रिक वाहनों पर 100% और सौर सेल पर 50% टैरिफ में भारी वृद्धि से वैश्विक व्यापार प्रभावित हो रहा है।
- चाइना **शॉक** एक ऐसा शब्द है जो संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था पर चीन के आर्थिक उदय के प्रभाव को संदर्भित करता है।

ऐतिहासिक संदर्भ

- **चीन का विश्व व्यापार संगठन में प्रवेश** : बिल क्लिंटन ने चीन के प्रवेश का समर्थन किया, उनका मानना था कि इससे राजनीतिक सुधार और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा।
- **चीन को झटका** : विश्व व्यापार संगठन में प्रवेश के बाद, सस्ती चीनी वस्तुओं के कारण वैश्विक स्तर पर बड़ी संख्या में नौकरियां खत्म हो गईं, जिससे भारतीय विनिर्माण क्षेत्र प्रभावित हुआ, क्योंकि आयात 2005-06 में 10.87 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 100 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया।

भारत-चीन संबंध

- **संबंधों की स्थापना** : 1 अप्रैल 1950 को राजनयिक संबंध स्थापित हुए, भारत पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) को मान्यता देने वाला पहला गैर-साम्यवादी देश था।
- **पंचशील समझौता** : 1954 में दोनों राष्ट्रों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किये, जिसमें शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और संप्रभुता के सम्मान पर जोर दिया गया।
- **सीमा विवाद** : सीमा विवादों के कारण तनाव उत्पन्न हुआ, विशेष रूप से 1950 में चीन के तिब्बत पर आक्रमण और 1962 में चीन-भारत युद्ध के बाद, जिसके परिणामस्वरूप चीन को निर्णायक जीत मिली।

संबंधों के प्रमुख चरण

- **प्रारंभिक वर्ष (1950-1960)** : न्यूनतम संपर्क, मुख्यतः व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित; 1962 के युद्ध ने एक महत्वपूर्ण झटका दिया।
- **सामान्यीकरण के प्रयास (1980 का दशक)** : प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 1988 की यात्रा ने बातचीत की शुरुआत की, जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति बनाए रखने के लिए समझौते हुए।
- **शीत युद्धोत्तर सहयोग (1990-2000 का दशक)** : आर्थिक भागीदारी में वृद्धि तथा सीमा विवादों के समाधान के लिए 2003 में विशेष प्रतिनिधि तंत्र की स्थापना।
- **हालिया घटनाक्रम (2010-वर्तमान)** : 2017 में डोकलाम गतिरोध और जून 2020 में गलवान घाटी संघर्ष से महत्वपूर्ण तनाव उत्पन्न हुआ, जिसने चल रहे सीमा विवादों को उजागर किया।

वर्तमान चुनौतियाँ

- **सीमा पर तनाव** : वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लगातार झड़पों के कारण विश्वास में गिरावट आई है, गलवान घाटी में हुई झड़प में कई लोग हताहत हुए हैं।
- **सामरिक प्रतिद्वंद्विता** : बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के माध्यम से दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव को एक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है, विशेष रूप से क्षेत्रीय दावों के संबंध में।
- **भू-राजनीतिक गतिशीलता** : अमेरिका और सहयोगियों के साथ भारत के सैन्य सहयोग को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता के प्रतिकार के रूप में देखा जाता है।

नीति दृष्टिकोण

- **दो-आयामी रणनीति** :
  - **सहभागिता** : आर्थिक संबंधों को बनाए रखते हुए ब्रिक्स और एससीओ जैसे मंचों के माध्यम से कूटनीतिक वार्ता जारी रखी।
  - **निवारण** : सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना और अन्य देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाना।

वर्तमान व्यापार गतिशीलता

- **व्यापार मात्रा** : वित्त वर्ष 2024 में, चीन के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 118.4 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें चीन भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में अपनी स्थिति पुनः प्राप्त कर लेगा।
- **आयात और निर्यात** :
  - **आयात** : कुल 101.7 बिलियन डॉलर, जो पिछले वर्ष से 3.24% अधिक है।
  - **निर्यात** : 8.7% बढ़कर 16.67 बिलियन डॉलर हो गया।
  - **व्यापार घाटा** : वित्त वर्ष 19 में 53.57 बिलियन डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 85.09 बिलियन डॉलर हो गया।

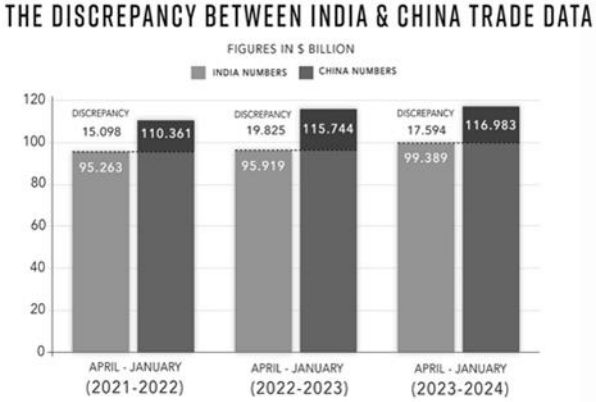

क्षेत्रीय निर्भरता

- **महत्वपूर्ण क्षेत्र** :
  - **दूरसंचार और स्मार्टफोन पार्ट्स** : 4.2 बिलियन डॉलर का आयात, जो इस श्रेणी में आयात का 44% है।
  - **लैपटॉप और पीसी** : आयात 3.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो कुल आयात का 77.7% है।
  - **इलेक्ट्रिक वाहन (ई.वी.)** : 2.2 बिलियन डॉलर मूल्य की लिथियम-आयन बैटरियों का आयात किया गया, जो ऐसे आयात का 75% है।
  - **सौर उपकरण** : भारत 80% सौर सेल और मॉड्यूल के लिए चीन पर निर्भर है; एंटी-डंपिंग जांच के कारण इसकी पहुंच अवरुद्ध है।
  - **इस्पात आयात** : इस्पात आयात सात वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, भारतीय इस्पात निर्माता डंपिंग के खिलाफ सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **इलेक्ट्रॉनिक्स** : वित्त वर्ष 24 में 12 बिलियन डॉलर से अधिक इलेक्ट्रॉनिक घटकों का आयात किया गया, जो स्थानीय विनिर्माण वृद्धि के बावजूद निरंतर निर्भरता को दर्शाता है।

➢ **निर्भरता कम करने के उपाय** :

- घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए **उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं** शुरू की गईं।
- **एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना** तथा गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों को लागू करना।

राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता समझौता (बीबीएनजे)

संदर्भ: हाल ही में, भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता समझौते पर हस्ताक्षर किए है।

➢ **अवलोकन:**

- भारत ने उच्च सागर संधि (High Seas Treaty) पर हस्ताक्षर किए, जिससे उसकी सामरिक उपस्थिति बढ़ेगी तथा अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र से परे समुद्री जैव विविधता के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।
- बीबीएनजे समझौता समुद्री आनुवंशिक संसाधनों, उचित लाभ साझाकरण, क्षेत्र-आधारित प्रबंधन उपकरण और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन पर केंद्रित है।

➢ **बीबीएनजे समझौते के बारे में**

- **स्वीकृति तिथि** : 2 जुलाई, 2024
- **कार्यान्वयन** : पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नेतृत्व में।
- **महत्व** : यह राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से बाहर के क्षेत्रों, जिन्हें "उच्च सागर" के रूप में जाना जाता है, में समुद्री जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग की दिशा में एक बड़ा कदम है।
- **उद्देश्य** : उच्च समुद्र में समुद्री जैव विविधता के दीर्घकालिक संरक्षण पर ध्यान देना।
- **तंत्र** : अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से सतत उपयोग के लिए रूपरेखा स्थापित करना, लाभों का उचित बंटवारा सुनिश्चित करना।
- **दृष्टिकोण** : पारिस्थितिकी तंत्र-केंद्रित, एहतियाती सिद्धांत, पारंपरिक ज्ञान और वैज्ञानिक विशेषज्ञता को शामिल करना।
- **उपकरण** : क्षेत्र-आधारित प्रबंधन उपकरण और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन प्रस्तुत करता है।

➢ **भारत के लिए लाभ**

- **सामरिक उपस्थिति** : यह भारत की उपस्थिति को उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) से परे बढ़ाता है।
- **सहयोग** : समुद्री संरक्षण प्रयासों को मजबूत करता है और वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास के लिए रास्ते खोलता है।
- **क्षमता निर्माण** : प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और समुद्री संसाधनों तक पहुंच को सुगम बनाता है।

➢ **बीबीएनजे अनुबंध स्थिति**

- **हस्ताक्षर अवधि** : सितंबर 2023 से दो वर्षों के लिए हस्ताक्षर हेतु खुला।
- **अनुसमर्थन** : 60 अनुसमर्थनों के बाद यह कानूनी रूप से बाध्यकारी हो जाएगा, जून 2024 तक 91 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे तथा 8 देशों द्वारा अनुसमर्थन किया जाएगा।

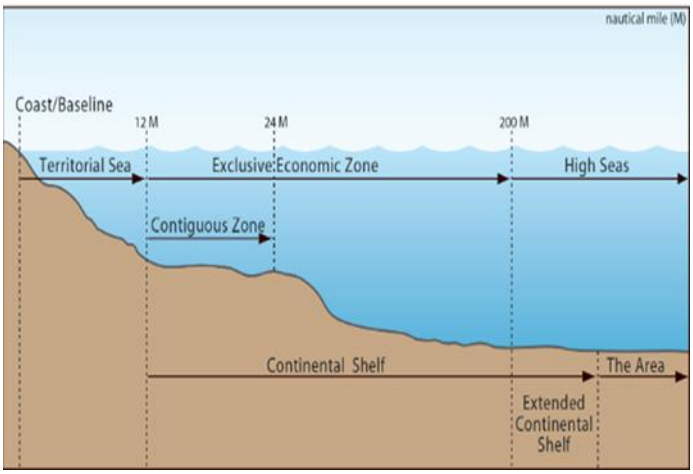

➢ **संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस)**

- **यूएनसीएलओएस को अपनाया जाना** : 1982 में अपनाया गया और 1994 से प्रभावी, यह समुद्री सीमाओं, समुद्री संसाधनों पर अधिकार और विवाद समाधान को नियंत्रित करता है।
- **पृष्ठभूमि** : बीबीएनजे समझौता संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के तहत एक कार्यान्वयन समझौता है।
- **मौजूदा समझौते** : 1994 के भाग XI कार्यान्वयन समझौते और 1995 के संयुक्त राष्ट्र मत्स्य स्टॉक समझौते का पूरक है।
- **वैश्विक भागीदारी** : 160 से अधिक देशों ने यूएनसीएलओएस का अनुसमर्थन किया है।

वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई)

संदर्भ: हाल ही में, WIPO ने वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII) जारी किया।

➢ **अवलोकन:**

- पिछले नौ वर्षों में वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत 42 पायदान ऊपर चढ़ा है तथा वर्तमान में विश्व स्तर पर 39वें स्थान पर है।
- चीन, तुर्की, भारत, वियतनाम और फिलीपींस सबसे तेज 10 वर्ष में शीर्ष पर पहुंचे हैं।

➢ **वैश्विक नवाचार सूचकांक के बारे में**

- **स्थापना: 2007 में प्रारंभ;** नवाचार मापन और आर्थिक नीति निर्माण को आकार देता है।
- **उद्देश्य** : सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों पर नवाचार के प्रभाव का आकलन करने में सरकारों की सहायता करना।
- **सह-प्रकाशक** : डब्ल्यूआईपीओ, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, और इनसीड बिजनेस स्कूल।
- **मूल्यांकन के मानदंड** :
  - संस्थानों
  - मानव पूंजी
  - अनुसंधान अवसंरचना
  - ऋण और निवेश
  - संबंध और ज्ञान प्रसार
  - रचनात्मक आउटपुट

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 September, 2024

जीआईआई 2024 के प्रमुख निष्कर्ष:

- **शीर्ष प्रदर्शनकर्ता** : स्विट्जरलैंड अग्रणी देश बना हुआ है, उसके बाद स्वीडन, अमेरिका और सिंगापुर का स्थान है।
- **भारत की प्रगति** : भारत 133 अर्थव्यवस्थाओं में 39वें स्थान पर पहुंच गया है तथा ज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्पादन सहित कई श्रेणियों में निम्न मध्यम आय वाले देशों और मध्य तथा दक्षिणी एशिया क्षेत्र में पहले स्थान पर है।
- मध्य और दक्षिणी एशिया में भारत (39वां) शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।
- भारत आईसीटी सेवा निर्यात, उद्यम पूंजी और अमूर्त परिसंपत्ति गहनता में उत्कृष्ट है।
- **हरित प्रौद्योगिकियों में चुनौतियाँ** : पिछले दशक की तुलना में हरित प्रौद्योगिकियों में प्रगति धीमी है।
- **अनुसंधान एवं विकास वृद्धि:** वैश्विक अनुसंधान एवं विकास में 2022 में 5% की वृद्धि होगी, लेकिन वास्तविक रूप से 2023 में इसके 3% तक धीमी होने का अनुमान है।
- चीन 11 $^{वें}$ स्थान पर पहुंच गया है और जीआईआई शीर्ष 30 में एकमात्र मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है।
- **7 एसईएओ अर्थव्यवस्थाएं नवाचार में अग्रणी हैं** : **सिंगापुर** (4वां), **दक्षिण कोरिया** (6वां), **चीन** (11वां), **जापान** (13वां), **हांगकांग** (18वां), **ऑस्ट्रेलिया** (23वां), **न्यूजीलैंड** (25वां, दो स्थान ऊपर)।

रिपोर्ट का विषय सामाजिक उद्यमिता

- 2024 जीआईआई सामाजिक उद्यमिता के बढ़ते महत्व पर जोर देता है, जिसे प्राथमिक लक्ष्य के रूप में लाभ के बिना सामाजिक या पर्यावरणीय मुद्दों को संबोधित करने के लिए अभिनव मॉडल के विकास के रूप में परिभाषित किया गया है।

सामाजिक उद्यमिता का महत्व:

- **आर्थिक प्रभाव** : वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर का योगदान।
- **रोजगार सृजन** : लगभग 10-11 मिलियन सामाजिक उद्यमों और लगभग 30 मिलियन सामाजिक उद्यमियों को समर्थन प्रदान करता है, तथा स्थायी आजीविका को बढ़ावा देता है।
- **सामाजिक प्रभाव** : इसका उद्देश्य गरीबी को कम करना, पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करना और सामाजिक अन्याय से लड़ना है।

डब्ल्यूआईपीओ के बारे में

- **मुख्यालय** : जिनेवा, स्विट्जरलैंड।
- **स्थापना** : 1967 में एक विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के रूप में।
- **उद्देश्य** : एक संतुलित और सुलभ अंतर्राष्ट्रीय आईपी प्रणाली बनाना जो रचनात्मकता को पुरस्कृत करे और आर्थिक विकास के लिए नवाचार को प्रोत्साहित करना।
- **सदस्यता** : 193 सदस्य, भारत 1975 में इसमें शामिल हुआ।
- **प्रमुख संधियाँ** : भारत पेरिस कन्वेंशन, बर्न कन्वेंशन और पेटेंट सहयोग संधि का सदस्य है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

दिव्य कला मेला

आज, 28 सितंबर को, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री महाराष्ट्र के पुणे में 20वें दिव्य कला मेले का उद्घाटन करेंगे।

दिव्य कला मेले के बारे में:

- दिव्य कला मेला एक सरकारी आयोजन है, जिसमें दिव्यांग लोगों (PwD) के उत्पादों और शिल्प कौशल को प्रदर्शित किया जाता है।
- इस आयोजन में विभिन्न स्थानीय उत्पाद, दिव्यांग कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन, क्षेत्रीय खाद्य स्टॉल शामिल हैं और "वोकल फॉर लोकल" पहल को बढ़ावा दिया जाता है।
- इसका उद्देश्य दिव्यांग कारीगरों को अपने उत्पादों का विपणन और प्रचार करने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करना है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तिकरण हो सके।
- भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग इस आयोजन का आयोजन करता है।
- 12वां दिव्य कला मेला 29 दिसंबर, 2023 से 7 जनवरी, 2024 तक सूरत, गुजरात में आयोजित किया गया।

गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय

हाल ही में, रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के तत्वावधान में गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय ने 68वां DGQA दिवस मनाया।

गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय के बारे में:

- गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (DGQA) एक अंतर-सेवा संगठन है जो भारतीय सशस्त्र बलों के लिए रक्षा उपकरणों और भंडार की गुणवत्ता सुनिश्चित करता है।
- यह घटकों और उपकरणों की विविधता को कम करने के लिए प्रलेखन, संहिताकरण और मानकीकरण कार्रवाई भी सुनिश्चित करता है।
- यह रक्षा मंत्रालय में रक्षा उत्पादन विभाग के अधीन कार्य करता है।
- यह आयात प्रतिस्थापन पर भी काम करता है और विकास परियोजनाओं पर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के साथ सहयोग करता है।
- यह संगठन ग्यारह तकनीकी निदेशालयों में संरचित है, जो कार्यात्मक उद्देश्यों के लिए दो-स्तरीय हैं, जिसमें हथियारों और गोला-बारूद के परीक्षण के लिए आयुध अनुशासन में अतिरिक्त प्रमाण प्रतिष्ठान हैं।
- हालांकि, डीजीक्यूए की उत्पत्ति 1869 में हुई, जब महाराष्ट्र के किरकी में गोला-बारूद फैक्ट्री में पहला निरीक्षणालय स्थापित किया गया था।
- संगठन की औपचारिक स्थापना 1957 में हुई थी, जब मेजर जनरल प्रताप नारायण को 27 सितंबर 1957 को पहला महानिदेशक नियुक्त किया गया था।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 September, 2024

जीएसटी परिषद

हाल ही में, जीएसटी परिषद ने मार्च 2026 में क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद विलासिता, पाप और अवगुण वस्तुओं के लिए कराधान रूपरेखा निर्धारित करने के लिए 10-सदस्यीय मंत्रियों के समूह का गठन किया।

जीएसटी परिषद के बारे में:

- जीएसटी (माल और सेवा कर) परिषद एक संवैधानिक निकाय है, जिसे संविधान (एक सौ एकवाँ संशोधन) अधिनियम, 2016 द्वारा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 279A (1) के तहत स्थापित किया गया है।
- संशोधित संविधान के अनुच्छेद 279A (1) के अनुसार, अनुच्छेद 279A के लागू होने के 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति द्वारा जीएसटी परिषद का गठन किया जाना है।
- यह कर दरों, छूटों, सीमा सीमा और मॉडल जीएसटी कानूनों सहित माल और सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर संघ और राज्य सरकारों को सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार है।
- परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री करते हैं और इसमें केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होते हैं।
- अनुच्छेद 279ए (5) यह अनिवार्य करता है कि परिषद पेट्रोलियम उत्पादों और विमानन टरबाइन ईंधन पर जीएसटी लगाने की तारीख की सिफारिश करे।
- अनुच्छेद 279ए (8) परिषद के कार्यों के लिए प्रक्रिया निर्धारित करता है।
- अनुच्छेद 279ए (11) परिषद की सिफारिशों से उत्पन्न विवादों का निपटारा करने के लिए तंत्र स्थापित करता है।

समाचार में स्थान

विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह

हाल ही में, भूमध्यसागरीय शिपिंग कंपनी का अन्ना, जो दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाजों में से एक है, तिरुवनंतपुरम के विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह पर पहुंचा, जो पिछले महीने बंदरगाह पर बढ़ी हुई गतिविधि को दर्शाता है।

विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह के बारे में:

- विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह भारत के समुद्री क्षेत्र में एक प्रमुख परियोजना है, और इसे सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित किया जा रहा है।
- यह बंदरगाह भारत का पहला गहरे पानी का कंटेनर ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह है, जो केरल के तिरुवनंतपुरम के पास स्थित है।
- बंदरगाह का निर्माण दिसंबर 2015 में शुरू हुआ और अब पूरा होने की ओर अग्रसर है।
- यह बंदरगाह रणनीतिक रूप से अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग से लगभग 10 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है जो यूरोप और फारस की खाड़ी को पूर्वी एशिया से जोड़ता है।
- बंदरगाह की क्षमता पहले चरण में एक मिलियन टीईयू (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट) है, जिसे बढ़ाकर 6.2 मिलियन टीईयू किया जा सकता है।
- बंदरगाह की प्राकृतिक गहराई 18 मीटर से अधिक है, जिसे 20 मीटर तक बढ़ाया जा सकता है।
- बंदरगाह को कंटेनर ट्रांसशिपमेंट, बहुउद्देश्यीय और ब्रेक-बल्क कार्गो को संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- बंदरगाह में मेगामैक्स कंटेनर जहाजों को संभालने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा है।

POINTS TO PONDER

- किस मंत्रालय ने नौकरी के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल का लाभ उठाने के लिए 2 साल के लिए अमेज़न के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए? **- श्रम और रोजगार मंत्रालय**
- चीन ने हाल ही में दशकों में पहली बार किस जल निकाय में अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) का परीक्षण किया? – **प्रशांत महासागर**
- किस राज्य सरकार ने डॉ. के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में पश्चिमी घाट पर उच्च स्तरीय कार्य समूह (2013) की रिपोर्ट को अस्वीकार कर दिया? – **कर्नाटक**
- भारत को भ्रष्टाचार विरोधी कानून प्रवर्तन प्राधिकरणों पर केंद्रित किस नेटवर्क की संचालन समिति के लिए चुना गया है? – **ग्लोबई (भ्रष्टाचार विरोधी कानून प्रवर्तन प्राधिकरणों का वैश्विक परिचालन नेटवर्क)**
- हाल ही में नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप द्वारा साझा किए गए एक आश्चर्यजनक वीडियो में किस आकाशगंगा को दिखाया गया था? – **कैल्डवेल 45 (एनजीसी 5248)**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com